

(b) A quantity of 9,000 tonnes of Soda Ash Light is being imported from Bulgaria on Rupee payment. Out of this a quantity of 6,000 tonnes has already been shipped and is expected to arrive at Calcutta shortly. The balance of 3,000 tonnes is expected to be shipped in January, 1964.

आयात और निर्यात नीतियां

१९६०. श्री प्रकाशचौर शास्त्री : क्या अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अग्रेज. १९६३ में घोषित की गई अग्रेज १९६३-मार्च १९६४ की अग्रवि के लिये आयात और निर्यात नीतियों का भारतीय माल के निर्यात पर क्या असर पड़ेगा; और

(ख) क्या सरकार की निर्यात और आयात नीतियों के सम्बन्ध में भारत के तथा विदेशों के व्यापारियों की प्रतिक्रिया का पता लगाने के लिये कोई प्रयत्न किये गये हैं ?

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) समान्वित तथा व्यापक आयात तथा निर्यात की जा नीतियां अग्रेज, १९६३ से अपनायी गयी थीं अग्रिकांश में उन्हींके कारण अग्रेज-प्रकृतिक, १९६३ में, पिछले साल की इसी अवधि की अपेक्षा ६० ४७ करोड़ का अग्रिक निर्यात हुआ था ।

(ख) इन नीतियों को बनाते समय सरकार उन मुद्दों का भी ध्यान में रखती है जो विभिन्न सलाहकार निकायों, जैसे आयात तथा निर्यात संवर्धन परिषदों और वाणिज्य तथा व्यापार चम्बरों के संशों द्वारा प्राप्त होते हैं जिन में अनेक व्यवसायी, उद्योगपति, अर्थशास्त्री तथा विशेषज्ञ होते हैं ।

कहवा का उत्पादन

१९६१. श्री श्रीकारलाल बेरवा :
श्री गोरहरन प्रसाद :

क्या अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हमारे देश में कहवा की खेती बहुत कम होती है;

(ख) यदि हां, तो किस-किस राज्य में इस खेती होती है और उसमें कितना कहवा पदा होत है; और

(ग) इसका उत्पादन बढ़ाने के लिये क्या उपाय किये गये हैं ?

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) से (ग). एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है । [पुस्तकालय में रखा है । देखिये संख्या एल०टी०-२२१६/६३]

उत्तरी कछार में कागज का कारखाना

१९६२. श्री श्रीकारलाल बेरवा :
श्री गोरहरन प्रसाद :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तरी कछार में कागज बनाने का एक कारखाना खोला जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो यह कारखाना कब तक खोलने का विचार है ;

(ग) इसके निर्माण में कितनी लागत आने का अनुमान है; और

(घ) क्या यह कारखाना सरकारी क्षेत्र में होगा या गैर-सरकारी क्षेत्र में ?

उद्योग मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) दो प्राइवेट पार्टियों ने इस क्षेत्र में कागज और लुग्दी बनाने का एक कारखाना खोलने में चि दिखाई है । उद्योग मंत्रालय के अधिकारियों से बातचीत करने के बाद उन्होंने विस्तृत संशोधित योजनायें भेजने का वचन दिया है जिनकी प्रतीक्षा है ।

(ख) और (ग). इस स्थिति में प्रश्न ही नहीं उठते ।

(घ) यदि यह कारखाना खोला गया तो वह गैर-सरकारी क्षेत्र में होगा।

Export of Shoes and Chappals

1993. { Shri Yashpal Singh:
Shri D. C. Sharma:

Will the Minister of **International Trade** be pleased to state:

(a) whether the Government of India have received fresh orders for export of shoes and chappals; and

(b) if so, the names of the countries and the total amount of orders received?

The Minister of International Trade (Shri Manubhai Shah): (a) Yes, Sir.

(b) Fresh orders worth Rs. 110 lakhs have so far been received by the S.T.C. from the U.S.S.R. and Hungary.

Manufacture of Heavy Motor Vehicles

1994. **Dr. L. M. Singhvi:** Will the Minister of **Steel, Mines and Heavy Engineering** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 84 on the 16th August, 1963 and state:

(a) whether the proposed scheme to manufacture heavy motor vehicles of 10 to 11 tons has been approved;

(b) if so, the total outlay capacity and the location of the plant; and

(c) if not, the reasons for delay?

The Deputy Minister in the Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Shri P. C. Sethi): (a) Not yet.

(b) Does not arise.

(c) Before a final decision is taken on the scheme, it has to be considered in detail, with reference to a number of factors including the likely demand for this type of vehicle, its suitability for civilian and defence requirements and the economics of the project, etc.

Cement Factories in Assam

1995. **Shri Bibhuti Mishra:** Will the Minister of **Steel, Mines and Heavy Engineering** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government of India have sanctioned a number of schemes for establishing a chain of cement factories in Assam; and

(b) if so, whether the factories will be in the public sector?

The Deputy Minister in the Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Shri P. C. Sethi): (a) and (b). An industrial licence has been granted to M/s. Assam Cements Ltd., for setting up a cement factory near Cherrapunji in Assam. Another scheme for setting up a cement factory in Garampani by the Assam State Electricity Board (a State Government undertaking) has been approved in principle.

Switch Gear factory in Jammu and Kashmir

1996. { Shri P. C. Borooah:
Shri Sham Lal Saraf:
Dr. L. M. Singhvi:

Will the Minister of **Steel, Mines and Heavy Engineering** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Yugoslavia has offered to set up a switch gear factory in Jammu and Kashmir;

(b) if so, what broadly are the terms of the offer; and

(c) what is Government's reaction thereto?

The Deputy Minister in the Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Shri P. C. Sethi): (a) to (c). A licence was granted in 1959 to an Indian Company for manufacture of electric motors, motor starters, Automatic contactor starters and Iron clad fuse boxes. It was originally proposed to locate the factory at Faridabad and to collaborate with a Polish organisation. Later the Party proposed to